राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय,नागपुर

बी.ए.सेमेस्टर I (CBCS)

हिन्दी साहित्य

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अनुसार

शैक्षणिक सत्र 2022-23 से प्रस्तावित

पाठ्यपुस्तक: साहित्य विविधा

सम्पादक: डॉ संतोष गिरहे, डॉ श्यामप्रकाश पांडे

प्रकाशक: लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली

कोर्स के उद्देश्य:-

- प्रश्न पत्र का उद्देश्य विद्यार्थी में आधुनिक काल में कथा जैसी महत्वपूर्ण विधा के विविध सोपानों से परिचित कराना।
- विद्यार्थी को हिंदी गद्य विधा में निहित सामाजिक चिंतन की बारीकियों से अवगत कराना।
- कथा विवेचन और विश्लेषण की क्षमता का विकास हो सकेगा।
- इस प्रश्नपत्र का आशय विद्यार्थी को विषय के इतिहास से परिचित कराना तथा हिन्दी साहित्य की परंपरा का परिचय कराना।
- विद्यार्थी को आदिकाल से लेकर रीतिकाल तक के साहित्यकारों , प्रवृत्तियों, चिंतन पद्धतियों का बोध प्राप्त हो सकेगा।

इकाई -I

1.मलबे का मालिक (कहानी)- मोहन राकेश

2.साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है (निबंध)- बालकृष्ण भट्ट

3.प्रेमचंद: लहमी में जन्म एवं अंतिम बीमारी (जीवनी) (कलम का सिपाही से)- अमृतराय

4.अध्यक्ष महोदय (व्यंग्य निबंध)- शरद जोशी

इकाई -II

1.रजिया (रेखाचित्र)-रामवृक्ष बेनीपुरी

2.मैं नर्क से बोल रहा हूँ ! (व्यंग्य)-हरिशंकर परसाई

3.साहित्य में प्रासंगिकता का प्रश्न (निबंध) - निर्मल वर्मा

29/08/22 29/08/22 29/08/2022

4.आस्था और रोमांच की यात्रा (यात्रा वृत्तान्त) – पवन चौहान

इकाई -III

आदिकाल की पृष्ठभूमि, काल विभाजन एवं नामकरण,प्रमुख प्रवृत्तियाँ (सिद्ध साहित्य,नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, लौकिक साहित्य)
आदिकाल की विशेषताएँ, प्रमुख कवियों का परिचय

इकाई -IV द्रुत वाचन

अ) निम्नलिखित रचनाकारों का संक्षिप्त परिचय-

1.प्रतापनारायण मिश्र
2.यशपाल
3.आचार्य रामचंद्र शुक्ल
4.उषा प्रियंवदा

ब)निम्नलिखित रचनाओं का संक्षिप्त परिचय

1.जागो फिर एक बार ! (कविता)- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
2.आकाशदीप (कहानी) -जयशंकर प्रसाद
3.वसंत आ गया है (निबंध) –डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. हाशिए पर कुछ नोट्स (जीवनी) (एक साहित्यिक की डायरी से)- मुक्तिबोध

- **विद्यार्थियों हेतु कौशलपरक/प्रायोगिक गतिविधि :-**

1.आदिकालीन किन्हीं दो कवियों की पी.पी.टी.द्वारा प्रस्तुति ।
2.आदिकालीन किन्हीं दो कवियों का सचित्र जीवन परिचय संकलन एवं प्रस्तुतिकरण ।

- **अध्ययन अध्यापन पद्धति:-** समूह चर्चा,काव्य पाठ, चयनित विषयों पर सेमिनार का आयोजन ।

कोर्स के परिणाम

24/08/22

29/8/2022

- विद्यार्थियों में विषय की गहन समझ विकसित होगी।
- उनकी भाषिक दक्षता बढ़ेगी। आलोचनात्मक-विवेचनात्मक चेतना विकसित होगी।
- उनमें सामाजिक जागरूकता आएगी तथा जीवन-संघर्ष के प्रति स्वस्थ दृष्टि विकसित होगी।
- उनमें जीवन-मूल्यों की समझ तथा उनके संरक्षण की प्रवृत्ति बढ़ेगी।
- उनमें बहुभाषिक, बहु-सांस्कृतिक समस्याओं को समझने की प्रवृत्ति बढ़ेगी।

29/08/2022

29/08/2022

29/8/2022

बी.ए.सेमेस्टर II (CBCS)
हिन्दी साहित्य
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अनुसार
शैक्षणिक सत्र 2022-23 से प्रस्तावित

पाठ्यपुस्तक: साहित्य विविधा
सम्पादक: डॉ संतोष गिरहे, डॉ श्यामप्रकाश पांडे
प्रकाशक: लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली

कोर्स के उद्देश्य:-

- साहित्यिक विधाओं के माध्यम से विद्यार्थी में कौशल विकसित करना। जिनके प्रशिक्षण से वह जीवन में कई क्षेत्रों से परिचित हो सकेगा।
- हिन्दी नाटक और रंगमंच ऐसी गद्य विधा है जिसके विवेचन-विश्लेषण से सामाजिक दायित्व का बोध प्राप्त हो सकेगा।
- प्रश्नपत्र का उद्देश्य विद्यार्थी में काव्य की समझ और आस्वाद क्षमता का विकास करना।
- कवियों एवं कविताओं के वैचारिक धरातल से विद्यार्थी को जन-जन से जोड़ना।

इकाई –I & II

बकरी (नाटक) – सर्वेश्वरदयाल सक्सेना (वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली)

इकाई -III

महाकाव्य
खण्डकाव्य
उपन्यास
कहानी
नाटक
एकांकी
आत्मकथा
जीवनी
साक्षात्कार

इकाई -IV द्रुत वाचन

अ)निम्नलिखित रचनाकारों का संक्षिप्त परिचय-

1.सुभद्राकुमारी चौहान

2.हरिवंशराय बच्चन

3.नंददुलारे वाजपेयी

4.कमलेश्वर

ब)निम्नलिखित रचनाओं का संक्षिप्त परिचय

1.रोटी और संसद (कविता)- 'धूमिल'

2.बादलों के घेरे (कहानी) – कृष्णा सोबती

3.अग्नि की उड़ान (आत्मकथा) – डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

4. सोना (संस्मरण)–महादेवी वर्मा

- **विद्यार्थियों हेतु कौशलपरक/प्रायोगिक गतिविधि:-**कक्षा में किसी भी एक रोचक कहानी का भावपूर्ण पठन करना।
- **अध्ययन अध्यापन पद्धति:-** समूह चर्चा,काव्य पाठ, चयनित विषयों पर सेमिनार का आयोजन।

कोर्स के परिणाम :-

- विद्यार्थियों को पठित विधा का विस्तृत परिचय होगा, उनमें साम्य-वैषम्य का बोध विकसित होगा।
- उनमें सामाजिक समस्याओं के चित्रण का, उनको देखने का दृष्टिकोण विकसित होगा।
- उनकी भाषिक दक्षता विकसित होगी।
- उनमें सामूहिक चेतना का विकास/बोध होगा।
- उनमें मानवीय मूल्यों की समझ विकसित होगी।

29/08/2022

29/08/2022

बी. ए. सेमेस्टर I (CBCS)
हिन्दी (अनिवार्य)
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अनुसार
शैक्षणिक सत्र 2022-23 से प्रस्ताविक

पाठ्यपुस्तक: साहित्य सृजन
सम्पादक: डॉ.मधुलता व्यास, डॉ.राजेन्द्र मालोकर
प्रकाशक: लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली

कोर्स के उद्देश्य:-

- वैचारिक लेखन के माध्यम से विद्यार्थी को नवीन चिंतन धारा की ओर अग्रेषित करना।
- विचार या विचारधारा के बारे में सम्यक जानकारी विकसित करना।
- प्रश्नपत्र के माध्यम से हिन्दी के प्रतिनिधि लेखक या साहित्यकार की रचनात्मकता और विचारों से सीधे विद्यार्थी को जोड़ना।
- साहित्यकार के व्यक्तित्व, जीवन और विचार से विद्यार्थी को बोध कराना।

इकाई –I निबंध

सामान्य विषय पर निबंध
निबंध साहित्य: परिभाषा, स्वरुप, तत्व एवं प्रकार

इकाई -II गद्य विभाग

1.संत साहित्य की ऐतिहासिक भूमिका (निबंध) –रामविलास शर्मा
2.सलाम (कहानी)–ओमप्रकाश वाल्मीकि
3.आवाज का नीलाम (एकांकी)–डॉ.धर्मवीर भारती
4.पहला सफेद बाल (व्यंग्य) -हरिशंकर परसाई

इकाई -III पद्य विभाग

1.मनुष्यता – मैथिलीशरण गुप्त
2.जीवन नहीं मरा करता है – गोपालदास 'नीरज'
3. जो शिलाएँ तोड़ते हैं- केदारनाथ अग्रवाल
4. हँसो हँसो जल्दी हँसो –रघुवीर सहाय

29/08/22
29/8/2022

इकाई -IV द्रुत वाचन

1.नमक का दारोगा (कहानी)–प्रेमचंद
2.चोरी और प्रायश्चित (आत्मकथा)–महात्मा गांधी
3. माँ पर नहीं लिख सकता कविता –डॉ.चंद्रकांत देवताले
4. एक अजीब- सी मुश्किल –कुँवर नारायण

- **विद्यार्थियों हेतु कौशलपरक/प्रायोगिक गतिविधि :-**
  'आवाज का नीलाम' एकांकी नाटक का विद्यार्थियों द्वारा अभिनय के साथ प्रस्तुतिकरण ।

- **अध्ययन अध्यापन पद्धति:-** समूह चर्चा,काव्य पाठ, चयनित विषयों पर सेमिनार का आयोजन।

कोर्स के परिणाम :-

- विद्यार्थियों को पठित विषय का समग्र बोध प्राप्त होगा।
- उन्हें साहित्य और जीवन के सम्बन्धों तथा उनके प्रति विवेचनात्मक दृष्टि का ज्ञान होगा।
- उनका विभिन्न सामाजिक स्थितियों, दशाओं, मूल्यों से परिचय होगा।
- उनमें जीवन को देखने की तार्किक दृष्टि का विकास होगा।
- उनमें मानवीय मूल्यों, बुराइयों, कमियों, खूबियों के प्रति संतुलित दृष्टि का विकास होगा।

आधार ग्रन्थ- व्यावहारिक हिन्दी – रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

29/08/2022
29/8/2022

बी.ए.सेमेस्टर II (CBCS)
हिन्दी (अनिवार्य)
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अनुसार
शैक्षणिक सत्र 2022-23 से प्रस्ताविक

पाठ्यपुस्तक: साहित्य सृजन
सम्पादक: डॉ.मधुलता व्यास, डॉ.राजेन्द्र मालोकर
प्रकाशक: लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली

कोर्स के उद्देश्य:-

- हिंदी गद्य की विधागत विशेषता के साथ प्रतिनिधि रचनाओं के प्रासंगिक पक्षों से जोड़ना।
- सामाजिक चिंतन-मनन की प्रक्रिया का विकास कराना ।
- आधुनिक कवियों के परिचय द्वारा विद्यार्थी की काव्यचेतना तथा काव्य-विश्लेषण के सामर्थ्य का विस्तार कराना ।
- विद्यार्थी को कविता के साथ कवियों की दार्शनिक दृष्टि और समाज में उनकी प्रासंगिकता का भी बोध प्राप्त कराना ।

इकाई -I गद्य विभाग

1.सिलिया (कहानी)- सुशीला टाकभौरे
2.भारतीयता (निबंध)–अज्ञेय
3.एकलव्य ने अंगूठा दिखाया (हास्य व्यंग्य) –हरिशंकर परसाई
4.बयालीस के ज्वार की उन लहरों में (रिपोर्ताज)- कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

इकाई -II पद्य विभाग

1.चल पड़े जिधर दो डग, मग में – सोहनलाल द्विवेदी
2.हम दीवानों की क्या हस्ती – भगवतीचरण वर्मा
3.बहुत दिनों के बाद – नागार्जुन
4.बस्स ! बहुत हो चुका - ओमप्रकाश वाल्मीकि

इकाई -III

पत्र लेखन: सरकारी, अर्द्धसरकारी,आवेदन पत्र

पारिभाषिक शब्दावली: अंग्रेजी से हिन्दी एवं हिन्दी से अंग्रेजी शब्द

इकाई -IV द्रुत वाचन

1.झाँसी की रानी (कविता)– सुभद्राकुमारी चौहान
2.किस्सा जनतंत्र (कविता)–'धूमिल'
3. यह देश एक है (निबंध)- रामधारी सिंह 'दिनकर'
4. गदर खत्म होइ गया (एकांकी)– लक्ष्मीनारायण लाल

- **विद्यार्थियों हेतु कौशलपरक/प्रायोगिक गतिविधि:-**

उपरोक्त कार्यालयीन पत्रों का प्रारूप (नमूना) तैयार करना ।
पारिभाषिक शब्दावली में से प्रति शीर्षक 10 शब्दों का संकलन करना ।

- **अध्ययन अध्यापन पद्धति:-** समूह चर्चा,काव्य पाठ, चयनित विषयों पर सेमिनार का आयोजन ।

कोर्स के परिणाम :-

- विद्यार्थियों को पठित गद्य विधाओं का विस्तृत परिचय होगा, उनमें लेखकीय शैली की समझ विकसित होगी ।
- उन्हें प्रकृति और समाज की विविध दशाओं का परिचय होगा ।
- उनमें समाज को देखने का विवेचनात्मक दृष्टिकोण विकसित होगा।
- उनमें मानवीय मूल्यों तथा भाषा के प्रयोग की समझ बढ़ेगी ।
- उनमें परिस्थितियों को देखने, समझने और प्रस्तुत करने का दृष्टिकोण विकसित होगा ।

आधार ग्रन्थ- व्यावहारिक हिन्दी – रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

29/08/2022

29/8/2022

बी.ए. सेमेस्टर-I (CBCS)

प्रयोजनमूलक हिन्दी(Functional Hindi)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अनुसार

सत्र 2022-2023 से प्रस्तावित

पेपर : प्रयोजनमूलक हिन्दी -I (ऐच्छिक)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- विद्यार्थियों को प्रयोजनमूलक हिन्दी के स्वरूप से अवगत कराना ।
- हिन्दी की संवैधानिक स्थिति से परिचित कराना ।
- हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि की जानकारी देना ।

पाठ्यक्रम के परिणाम(COs)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने पर विद्यार्थी -

1. विद्यार्थी विविध क्षेत्र में हिन्दी के प्रयोग की जानकारी दे पाएगा ।
2. विद्यार्थी राजभाषा सम्बंधित संवैधानिक प्रावधानों की जानकारी दे सकेगा ।
3. विद्यार्थी हिन्दी भाषा की प्रकृति और देवनागरी लिपि की विशेषताओं को बता सकेगा ।
4. विद्यार्थी अपने लेखन कार्य में हिन्दी वर्तनी का प्रयोग करने में सक्षम होगा ।

इकाई-I प्रयोजनमूलक हिन्दी: स्वरूप एवं व्याप्ति

प्रयोजनमूलक हिन्दी: अर्थ एवं परिभाषाएँ

प्रयोजनमूलक हिन्दी की विशेषताएं एवं उपयोगिता

प्रयोजनमूलक हिन्दी: विविध क्षेत्र

इकाई-II राजभाषा हिन्दी-संवैधानिक स्थिति

राजभाषा हिन्दी: संकल्पना, अर्थ एवं स्वरूप

राजभाषा हिन्दी-संवैधानिक प्रावधान

राजभाषा संबंधी अधिनियम

राजभाषा हिन्दी संबंधी शिक्षण योजनाएं

इकाई-III हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि का सामान्य परिचय

हिन्दी भाषा की प्रकृति

29/08/2022

29/08/2022

हिन्दी भाषा का स्वरूप

देवनागरी लिपि का परिचय

देवनागरी लिपि की विशेषताएँ

इकाई-IV हिन्दी व्याकरण

मानक हिंदी वर्तनी

वाक्य संरचना- पदक्रम और पदबंध, लिंग, वचन,कारक, विशेषण,उपसर्ग, प्रत्यय

हिन्दी शब्द समूह- तत्सम,तद्भव,देशज और विदेशी (आगत)

हिन्दी की उच्चारण प्रणाली-अक्षरों का उच्चारण,अनुस्वार व अनुनासिक

➢ **विद्यार्थियों हेतु कौशलपरक/प्रायोगिक गतिविधि:-**

1.तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी(आगत) प्रति शीर्षक दस शब्दों का संकलन ।

2.राजभाषा और राजभाषा अधिकारी पद से सम्बंधित विविध योजनाओं की जानकारी शासकीय वेबसाइट से संकलित करना ।

➢ **अध्ययन-अध्यापन पद्धति:-** समूह चर्चा,काव्य पाठ, चयनित विषयों पर सेमिनार का आयोजन ।

सन्दर्भ:

1.राजभाषा प्रबंधन विविध आयाम- डॉ. दामोदर खडसे

2.बैंको में प्रयोजनशील हिंदी- डॉ.अनील तिवारी

3.राजभाषा हिंदी विवेचन और प्रयुक्ति – डॉ. किशोर वासवानी

4.प्रयोजनमूलक हिंदी –दंगल झाल्टे

5.प्रयोजनमूलक हिंदी संरचना और प्रयोग- डॉ.माधव सोनटक्के

6.प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका- डॉ.कैलाशनाथ पाण्डेय

7.प्रयोजनमूलक हिंदी-रमेश जैन

8.हिन्दी व्याकरण- कामताप्रसाद गुरू

9.भाषा विज्ञान- भोलानाथ तिवारी

10.राजभाषा हिंदी- कैलाशचंद्र भाटिया

11.संघ की राजभाषा –हरिबाबू जगन्नाथ

29/08/2022

29/08/2022

12.हिन्दी भाषा उद्भव, विकास और रूप– डॉ. हरदेव बाहरी

13.भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम एवं हिन्दी भाषा- डॉ अम्बादास देशमुख

14.जनसंचार और पत्रकारिता – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा

****

बी.ए. सेमेस्टर-II (CBCS)
प्रयोजनमूलक हिन्दी(Functional Hindi)
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अनुसार
सत्र 2022-2023 से प्रस्तावित
पेपर : प्रयोजनमूलक हिन्दी -II (ऐच्छिक)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- विद्यार्थियों को कार्यालयीन हिंदी के स्वरूप एवं प्रक्रिया से अवगत कराना ।
- विद्यार्थियों को सरकारी कार्यालयों में पत्राचार की जानकारी देना ।
- विद्यार्थियों को कार्यालयीन हिंदी की कार्य-प्रणाली से अवगत कराना ।
- विद्यार्थियों में आलेखन कला-कौशल विकसित करना ।

पाठ्यक्रम के परिणाम(COs)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने पर विद्यार्थी -

1. विद्यार्थी कार्यालयीन हिंदी के स्वरूप एवं प्रक्रिया से अवगत होगा ।
2. विद्यार्थी कार्यालयी पत्रों के विविध प्रकार एवं प्रयोगों के बारे में बता पायेगा ।
3. विद्यार्थी कार्यालय में टिप्पण का महत्त्व बता सकेगा ।
4. विद्यार्थी में 'आलेखन लेखन' की कला में निपुणता प्राप्त कर सकेगा ।

इकाई-I कार्यालयीन हिन्दी

कार्यालयीन हिन्दी: स्वरूप एवं प्रकृति
कार्यालयीन हिन्दी का महत्त्व
कार्यालयीन हिन्दी की विशेषताएँ

इकाई-II कार्यालयीन पत्राचार

कार्यालयीन पत्राचार - स्वरूप एवं सिद्धांत
कार्यालयीन पत्राचार की उपयोगिता
कार्यालयीन पत्राचार के प्रकार –

- सरकारी पत्र (Official Letter)
- अर्धसरकारी पत्र (Demi-Official Letter)
- ज्ञापन (Memorandum)
- परिपत्रक (Circular)
- पृष्ठांकन (Endorsement)
- अनुस्मारक (Reminder)
- स्वीकृति (Acknowledgement)
- निविदा (Tender)
- सूचना (Notice)
- प्रतिवेदन (Report)

इकाई-III टिप्पण लेखन

टिप्पण लेखन का अर्थ एवं उद्देश्य
टिप्पण लेखन के सामान्य नियम
टिप्पण लेखन के प्रकार
टिप्पण लेखन की भाषा-शैली
टिप्पण की विशेषताएँ

इकाई-IV आलेखन

आलेखन का अर्थ एवं उद्देश्य
आलेखन(मसौदा) तैयार करने के सामान्य नियम
आलेखन के गुण
आलेखन की भाषा शैली
आलेखन की विशेषताएँ

➢ **विद्यार्थियों हेतु कौशलपरक/प्रायोगिक गतिविधि :-**

29/08/2022

उपरोक्त किन्हीं चार कार्यालयीन पत्रों का प्रारूप (नमूना) तैयार करना ।

- **अध्ययन अध्यापन पद्धति:-** समूह चर्चा,काव्य पाठ, चयनित विषयों पर सेमिनार का आयोजन ।

संदर्भ:-

1.बैंकों में हिंदी पत्राचार- दंगल झाल्टे

2.प्रयोजनमूलक हिंदी –विनोद गोदरे

3.राजभाषा प्रबंधन विविध आयाम – डॉ.दामोदर खडसे

4.हिन्दी पत्रकारिता: विविध आयाम – वेदप्रताप वैदिक

5.कामकाजी हिंदी –सूर्यप्रसाद दीक्षित

6.जनसंचार और पत्रकारिता – डॉ.ओमप्रकाश शर्मा

7.उत्तरआधुनिक मीडिया तकनीक – हर्षदेव

****

29/08/2022

29/8/2022